



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 592]
No. 592]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 4, 2003/आषाढ़ 13, 1925
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 4, 2003/ASADHA 13, 1925

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 2003

का.आ. 755(अ).—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) कि धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 79(अ) तारीख, 23 जनवरी, 2003 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा मध्य प्रदेश राज्य में दहेज-वेमार-विजयपुर पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को तारीख 30 जनवरी, 2003 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और उक्त पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में साधारण जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अननुज्ञात कर दिया गया है;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उस भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव करने वाली गेल (इंडिया) लिमिटेड में निहित होगा और तदुपरि, भूमि में ऐसे उपयोग का अधिकार, इस प्रकार अधिरोपित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, गेल (इंडिया) लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची				
जिला	तहसील	गांव	सर्वे न.	क्षेत्रफल
उज्जैन	बड़नगर	मकड़ावन	555/4	0.01
			215/2	0.16
			216	0.08
			218	0.12
			200	0.04
			196	0.14
			219	0.43
			220	0.30
			308	0.06
			317	0.13
			कुल	1.47
	सुन्दराबाद		352/1	0.01
			356	0.31
			358	0.03
			357	0.18
			238	0.12
			172	0.36
			171/1	0.22
			171/2	0.10
			187	0.21
			188	0.01
			कुल	1.55

[फा. सं. एल-14014/19/2002-जी.पी. (भाग-III)]

स्वामी सिंह, निदेशक

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS •

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2003

S.O. 755(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 79(E) dated the 23rd January, 2003, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of natural gas through Dahej-Vemar-Vijaipur pipeline project in the State of Madhya Pradesh by the GAIL (India) Limited;

And whereas copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 30th January, 2003;

And whereas the objections received from the public to the laying of the pipeline have been considered and disallowed by the competent authority;

And whereas the competent authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted its report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the land for laying the pipelines shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of the declaration, in the GAIL (India) Limited, proposing to lay the pipeline and thereupon the right of such user in the land shall, subject to the terms and conditions so imposed, vest in the GAIL (India) Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Survey No.	Areas
Ujjain	Badnagar	Makdavan	555/4	0.01
			215/2	0.16
			216	0.08
			218	0.12
			200	0.04
			196	0.14
			219	0.43
			220	0.30
			308	0.06
			317	0.13
			Total	1.47
	Sundarabad		352/1	0.01
			356	0.31
			358	0.03
			357	0.18
			238	0.12
			172	0.36
			171/1	0.22
			171/2	0.10
			187	0.21
			188	0.01
			Total	1.55

[F. No. L-14014/19/2002-G.P.(Part-III)]

SWAMI SINGH, Director

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 जुलाई, 2003

का.आ. 756(अ).—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) कि धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 746(अ) तारीख, 11 जुलाई, 2002 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में, गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा मध्य प्रदेश राज्य में दहेज-वेमार-विजयपुर पाइपलाइन परियोजना के माध्यम से प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां साधारण जनता को तारीख 25 जुलाई, 2002 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और उक्त पाइपलाइन बिछाने के सम्बन्ध में साधारण जनता से प्राप्त आक्षेपों पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा विचार कर लिया गया है और उन्हें अननुज्ञात कर दिया गया है;

और सक्षम प्राधिकारी ने, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और यह समाधान हो जाने पर कि उक्त भूमि पाइपलाइन बिछाने के लिए अपेक्षित है, उस भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है;

और, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेश देती है कि पाइपलाइन बिछाने के लिए भूमि में उपयोग का अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की तारीख को, केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए, पाइपलाइन बिछाने का प्रस्ताव करने वाली गेल (इंडिया) लिमिटेड में निहित होगा और तदुपरि, भूमि में ऐसे उपयोग का अधिकार, इस प्रकार अधिरोपित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, सभी विल्लंगमों से मुक्त, गेल (इंडिया) लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

जिला	तहसील	गांव	सर्वे न.	क्षेत्रफल
राजगढ़	राजगढ़	पिपलबे	467	0.05
			470	0.04
			472/1-2	0.05
			484/10	0.05
			484/5	0.01
			कुल	0.20

[फ़. सं. एल-14014/19/2002-जी.पी. (भाग-III)]

स्वामी सिंह, निदेशक

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st July, 2003

S.O. 756(E).—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 746(E) dated the 11th July, 2002, issued under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the Schedule appended to the notification for the purpose of laying pipelines for transport of natural gas through Dahej—Vemar—Vijaipur pipeline project in the State of Madhya Pradesh by the GAIL (India) Limited;

And whereas copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 25th July, 2002;

And whereas the objections received from the public to the laying of the pipeline have been considered and disallowed by the competent authority;

And whereas the competent authority has, under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted its report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the said report and on being satisfied that the said land is required for laying the pipeline, has decided to acquire the right of user therein;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And further, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby directs that the right of user in the land for laying the pipeline shall, instead of vesting in the Central Government, vest on the date of the publication of the declaration, in the GAIL (India) Limited, proposing to lay the pipeline and thereupon the right of such user in the land shall, subject to the terms and conditions so imposed, vest in the GAIL (India) Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

District	Tehsil	Village	Survey No.	Areas
Rajgadh	Rajgadh	Pipalabe	467	0.05
			470	0.04
			472/1-2	0.05
			484/10	0.05
			484/5	0.01
			Total	0.20

[F. No. L-14014/19/2002-G.P(Part-III)]

SWAMI SINGH, Director